

語り漕がな

五	七	八	四	八	四	五	七	中	工	合	上	老
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	合	五	七	八	四	八	七	八	七	八	七	八	五	七	中	五
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

七	四	八	四	八	四	五	七	中	工	中	上	七	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	上	老	四	老	中	尺	五	七	八	七	八	四	四	八
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	七	九	八	四	七	八	九	八	七	九	八
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	八	七	五	七	八	四	八	七	五	中	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	七	四	老	四	合	五	七	八	四	八	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

五	七	中	工	合	上	老	四	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---

# 語り漕がな

一二揚

2/2

一、今日ぬゆかる日に  
昔どうし行逢てい  
嬉しさや互に  
語てい遊ば

二、此の世人間や  
皆うとうじやとう思り  
沖繩うまじりや  
ちゆ家庭でむぬ

三、うち世灘安く  
渡い欲しやあらば  
誠ゆい他に  
道や踏むな

四、楽楽とうちゆ  
渡りぶしやあらあば  
悪欲の企らう  
無らん如に

五、三線ぬ女弦 童妻心  
どうく詰みていからや 切りて退ち  
ゆさ  
(さんしんぬみーじる わらびとう  
じぐる。、どうくちみてからや、  
ちりてぬちゆさ)

六、礼儀(れいじ)忘(わし)りりば  
闇ぬ夜ぬ小路  
我胴損(わんどうすく)なゆる  
歩み苦りしや